MOTHERLAND CAREER COLLEGE, TONK

Gol Dungari Near pahadiya Garden, Tonk (Raj) Pin- 304001

Ref. No. MLCC/Tonk/24-25/1409 Date. 30.09.2024.

नोटिस

स्वच्छ भारत मिशन पर रैली का आयोजन

सभी छात्र छात्राओं को सूचित किया जाता है कि आपके महाविद्यालय द्वारा एक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है जिसकी तिथि **02.10.2024** महाविद्यालय की व्यवस्थापक कमेटी एवं प्राचार्य द्वारा घोषित की गई है। जिसका विषय "**स्वच्छ भारत मिशन**" रखा गया है।

अतः इस रैली में सभी छात्र छात्राओं का भाग लेना अनिवार्य है।

रैली का समय :– 02:00PM

- Copy to Principal Motherland Career. College, Tonk
- Copy to Notice Board.
- Copy to Record File.

Order by

Principal

प्राचार्य
मदरलैंड करियर कॉलेज

02.10.24 - स्वच्छ भारत मिशन पर रैली का आयोजन

स्वच्छ भारत मिशन पर रैली का आयोजन

CamScanner

स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है जो 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की जयंती के दिन शुरू हुई थी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत को स्वच्छ और स्वस्थ बनाना है। यह भारतीय समाज को स्वच्छता की महत्वपूर्णता के प्रति जागरूक करने का प्रयास है और उन्हें स्वच्छता के मामूले में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस अभियान के तहत, स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को अपने घरों, स्कूलों, कामकाजी स्थलों, और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, शौचालय निर्माण, स्वच्छता अभियान, और जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

स्वच्छ भारत अभियान भारत में अब तक का सबसे बड़ा स्वच्छता अभियान है, जिसके शुभारंभ के दौरान लगभग 30 लाख सरकारी कर्मचारियों और स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। शुभारंभ के दिन, प्रधानमंत्री ने भारत की नौ प्रसिद्ध हस्तियों के नाम नामित किए कि वे अपने क्षेत्रों में तय तिथियों पर अभियान की शुरुआत करें और आम जनता के बीच अभियान का प्रचार करें। उन्होंने सभी नौ हस्तियों से अनुरोध किया कि वे अपने क्षेत्र से नौ अन्य लोगों को व्यक्तिगत रूप से इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित करें और नौ लोगों को आमंत्रित करने का यह सिलसिला तब तक जारी रखें जब तक कि यह संदेश हर भारतीय नागरिक तक न पहुंच जाए।

स्वच्छ भारत अभियान के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. **स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना:** इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य लोगों को स्वच्छता की महत्वपूर्णता के प्रति जागरूक करना है और उन्हें स्वच्छता के मामूले में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करना है।
2. **सार्वजनिक स्वच्छता सुनिश्चित करना:** अभियान के तहत लोगों को उनके घरों, स्कूलों, कामकाजी स्थलों, और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे सार्वजनिक स्वच्छता को सुनिश्चित किया जाता है।
3. **स्वास्थ्य में सुधार:** यह अभियान स्वच्छता के माध्यम से बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद करता है और भारतीय समुदाय के स्वास्थ्य को सुधारता है।
4. **जल, हवा, और भूमि की रक्षा:** इस अभियान के माध्यम से जल, हवा, और भूमि की रक्षा की जाती है, जिससे पर्यावरण को भी सुरक्षित रखा जा सकता है।
5. **सामाजिक सामर्थ्य को बढ़ावा:** स्वच्छ भारत अभियान ने लोगों की सजगता और सामाजिक सामर्थ्य को बढ़ावा दिया है और समाज में स्वच्छता के मामूले में सुधार लाने में मदद की है।

स्वच्छ भारत अभियान के कई महत्वपूर्ण इस प्रकार हैं:

1. **सार्वजनिक स्वच्छता में सुधार:** अभियान के शुरू होते ही सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता में सुधार हुआ है, जैसे कि रेलवे स्थानक, बस डिपो, और अन्य सार्वजनिक स्थल।

CamScanner

2. **देश में शौचालय निर्माण :** अभियान के तहत देशभर में लाखों शौचालय बनाए गए हैं, जिससे जनमानस को स्वच्छ जीवनस्तर मिला है।
3. **स्वच्छता ही सेवा:** हर साल 2 अक्टूबर को **स्वच्छता ही सेवा** अभियान चलाया जाता है, जिसमें लोग स्वच्छता के लिए सेवा करने का प्रतिबद्ध रहते हैं।
4. **स्वच्छ ग्रामीण भारत:** अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छता को प्रमोट करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जैसे कि ग्रामीण शौचालय निर्माण योजना।
5. **स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत:** इस अभियान ने भारत को स्वस्थ भारत के रूप में प्रमोट किया है, क्योंकि स्वच्छता और स्वास्थ्य के बीच गहरा संबंध होता है।
6. **जन-जागरूकता:** स्वच्छ भारत अभियान ने लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाई है और समुदाय के सदस्यों को इसके लिए सजग बनाया है।
7. **स्वच्छता सर्वेक्षण:** अभियान के अंतर्गत स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यक्रम चलाया जाता है जिसके तहत स्वच्छता के प्रति लोगों के समुदायों की जांच की जाती है।

स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य लोगों में व्यवहार परिवर्तन लाना और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहारों को प्रेरित करना, लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और सभी क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को मजबूत करना है। यह भारत में स्वच्छता बनाए रखने के लिए निवेश करने में रुचि रखने वाले सभी निजी क्षेत्रों के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल वातावरण बनाने में मदद करता है। रिपोर्ट्स और सर्वे के मुताबिक, इस अभियान का असर लगभग सभी हिस्सों में दिखने लगा है और सभी क्षेत्रों के लोगों की सक्रिय भागीदारी है।

CamScanner

MOTHERLAND CAREER COLLEGE TONK

Gol Dungari Near pahadiya Garden, Tonk (Raj) Pin- 304001

Ref. No. MLCC/Tonk/23-24/1358 Date. 03.06.2024

नोटिस

पर्यावरण जागरूकता पर रैली का आयोजन

सभी छात्र छात्राओं को सूचित किया जाता है कि आपके महाविद्यालय द्वारा एक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है जिसकी तिथी **05.06.2024** महाविद्यालय की व्यवस्थापक कमेटी एवं प्राचार्या द्वारा घोषित की गई है। जिसका विषय "**पर्यावरण जागरूकता**" रखा गया है।

अतः इस रैली में सभी छात्र छात्राओं का भाग लेना अनिवार्य है।

रैली का समय :– 08:00am

- Copy to Principal Motherland Career. College, Tonk
- Copy to Notice Board.
- Copy to Record File.

Order by

प्राचार्य मदरलेण्ड कॅरियर कॉलेज टोंक

Principal

05.06.24 पर्यावरण जागरूकता पर रैली का आयोजन

पर्यावरण जागरूकता पर रैली का आयोजन

CamScanner

पर्यावरण जागरूकता दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को मनाया जाता है। इसकी स्थापना 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी, और 1974 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। इस दिन का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयासों को प्रोत्साहित करना है।

हमारे पर्यावरण को आज के समय में बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और इसका सबसे बड़ा कारण मानव ही है मानव के द्वारा कई ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जो कि पर्यावरण के विरुद्ध हैं। जिसके कारण वायु और जल प्रदूषण, वनों की कटाई ,जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता जैसे मुद्दे हमारे सामने आते रहते हैं। परंतु मनुष्य को यह समझ नहीं आ रहा है कि इन समस्याओं का प्रभाव न केवल हमारी धरती पर बल्कि हमारे जीवन और स्वस्थ पर भी पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण हर साल कहीं बाढ़ और कही सूखा व तापमान में वृद्धि जैसी समस्या हर साल उत्पन्न हो रही है जो मानव जीवन के लिए खतरा बनती जा रही है

पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए हमें कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें वृक्षारोपण को बढ़ावा देना चाहिए। पेड़ न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि मिट्टी का कटाव रोकने, जलवायु को संतुलित करने और वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इसके अतिरिक्त, हमें जल और ऊर्जा का संरक्षण करना चाहिए। पानी का अनावश्यक उपयोग और बिजली की बर्बादी को रोकना बहुत जरूरी है। प्लास्टिक का उपयोग कम करना और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्लास्टिक प्रदूषण आज एक गंभीर समस्या बन चुका है, जो नदियों, महासागरों और भूमि को प्रदूषित कर रहा है।

हम सभी को अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करने चाहिए, जैसे कि सौर ऊर्जा का उपयोग, साइकिल चलाना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, और स्थानीय और जैविक खाद्य पदार्थों का सेवन। ये छोटे-छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते हैं और पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद कर सकते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवर्ष हम यह याद दिलाता है कि पर्यावरण की सुरक्षा करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है इस दिन पर हमें संकल्प मिलना चाहिए कि हम अपनी धरती को स्वस्थ रखेंगे स्वच्छ और हरित धरती बनाने के लिए हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए सभी मानव जाति को मिलकर धरती को हरित बनाने में योगदान देना चाहिए यह न केवल हमारे वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए भी बहुत आवश्यक है। यदि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा।

इस दिन पर विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जाता है, जिसमें लोग बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। यह दिन हमें प्रेरित करता है कि हम पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें और एक स्थायी भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं। आइए इस विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सभी मिलकर अपने पर्यावरण की रक्षा का प्रण लें और इसे एक सुंदर और स्वस्थ स्थान बनाएं।

प्राचार्य
गदरलेण्ड केरियर कॉलेज
टोंक

CS CamScanner

MOTHERLAND CAREER COLLEGE, TONK

Gol Dungari Near pahadiya Garden, Tonk (Raj) Pin- 304001

Ref. No. MLCC/Tonk/23-24/1196 Date....23.01.2024....

नोटिस

मतदान जागरूकता पर रैली का आयोजन

सभी छात्र छात्राओं को सूचित किया जाता है कि आपके महाविद्यालय द्वारा एक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है जिसकी तिथि **25.01.2024** महाविद्यालय की व्यवस्थापक कमेटी एवं प्राचार्या द्वारा घोषित की गई है। जिसका विषय "**मतदान जागरूकता**" रखा गया है।

अतः इस रैली में सभी छात्र छात्राओं का भाग लेना अनिवार्य है।

रैली का समय :– 08:00am

- Copy to Principal Motherland Career. College, Tonk
- Copy to Notice Board.
- Copy to Record File.

Order by

प्राचार्य
मदरलेण्ड कैरियर कॉलेज
टोंक

Principal

२५·०१·२४ – मतदान जागरूकता पर रैली आयोज्य

मतदान जागरूकता पर रैली आयोज्य

CamScanner

मतदान जागरूकता दिवस

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर साल 25 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन भारतवर्ष के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अहम है। इस दिन देश के प्रत्येक व्यक्ति को अपने देश के प्रत्येक चुनाव में भाग लेने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए, क्योंकि देश के प्रत्येक नागरिक का मत ही देश के भविष्य की नींव बनाता है।

मतदान नागरिक का अधिकार है, साथ ही यह एक कर्तव्य भी है। मतदान के माध्यम से हम अपने देश के भविष्य को आकार देते हैं। एक मतदान से सरकारें बदल सकती हैं, देश का विकास हो सकता है और समाज में बदलाव आ सकता है।

मतदान का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। यह अधिकार हमें संविधान द्वारा प्रदान किया गया है। मतदान के माध्यम से हम अपने देश के प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। ये प्रतिनिधि हमारी सरकार बनाते हैं और हमारे देश का शासन करते हैं। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग करें और अपने देश के विकास में योगदान दें।

मतदान के माध्यम से हम अपने देश के भविष्य को आकार दे सकते हैं। हम यह तय कर सकते हैं कि हमारा देश किस दिशा में बढ़े। हम यह तय कर सकते हैं कि हमारे देश में किस तरह की सरकार हो। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मतदान का सही उपयोग करें।

मतदान के माध्यम से हम देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। एक अच्छे सरकार का चुनाव करने से देश का विकास होता है। देश में शांति और समृद्धि आती है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मतदान का प्रयोग करें और देश के विकास में योगदान दें।

मतदान के माध्यम से हम समाज में बदलाव ला सकते हैं। हम यह तय कर सकते हैं कि हमारे देश में किस तरह का समाज हो। हम यह तय कर सकते हैं कि हमारे देश में महिलाओं, बच्चों और दलितों के अधिकारों की रक्षा हो। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मतदान का प्रयोग करें और समाज में बदलाव लाएं।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के महत्व को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं:

- भारत निर्वाचन आयोग को मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रयास करने चाहिए।
- स्कूलों और कॉलेजों में मतदान के महत्व के बारे में शिक्षा को शामिल किया जाना चाहिए।
- मीडिया को मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह एक ऐसा अवसर है जब हम सभी नागरिकों को अपने मताधिकार के महत्व के बारे में जागरूक करते हैं। यह एक ऐसा दिन है जब हम सभी नागरिकों को अपने देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं।

इसलिए, सभी नागरिकों को चाहिए कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें और अपने देश के विकास में योगदान दें।

प्राचार्य
मदरलेण्ड केरियर कॉलेज
चोक

CamScanner

MOTHERLAND CAREER COLLEGE, TONK

Gol Dungari Near pahadiya Garden, Tonk (Raj) Pin- 304001

Ref. No. MLCC/TONK/23-24/1172 Date...28/11/2023.....

नोटिस

विश्व एड्स जागरूकता पर रैली का आयोजन

सभी छात्र छात्राओं को सूचित किया जाता है कि आपके महाविद्यालय द्वारा एक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है जिसकी तिथि **01.12.2023** महाविद्यालय की व्यवस्थापक कमेटी एवं प्राचार्य द्वारा घोषित की गई है। जिसका विषय "**विश्व एड्स जागरूकता**" रखा गया है।

अतः इस रैली में सभी छात्र छात्राओं का भाग लेना अनिवार्य है।

रैली का समय :– 11:00am

- Copy to Principal Motherland Career. College, Tonk
- Copy to Notice Board.
- Copy to Record File.

Order by

Principal

प्राचार्य
मदरलेण्ड कॉलेज
टोंक

CamScanner

01.12.23 विश्व एड्स जागरूकता पर रैली का आयोजन

विश्व एडस जागरूकता पर रैली का आयोजन

CamScanner

विश्व एड्स दिवस

भारत एचआईवी/एड्स उन्मूलन की दिशा में लगातार कठिन प्रयास कर रहा है। एड्स नामक इस भयानक बीमारी ने देश की एक बड़ी आबादी को अपने प्रभाव में जकड़ रखा है। एचआईवी से संबंधित मामलों को पूर्ण रूप से ख़त्म किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं एवं पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस प्रयास में अंशतः सफलता भी पाई है। भारत को "पूर्णतः एड्स मुक्त" होने में अभी काफी समय लगेगा क्योंकि अभी भी देश में 15 से 49 वर्ष की उम्र के बीच के लगभग 25 लाख लोग एड्स से प्रभावित हैं। यह आँकड़ा विश्व में एड्स प्रभावित लोगों की सूची में तीसरे स्थान पर आता है।

एचआईवी आकलन 2012 के अनुसार भारतीय युवाओं में वार्षिक आधार पर एड्स के नए मामलों में 57% की कमी आई है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत किये गए एड्स के रोकथाम संबंधी विभिन्न उपायों एवं नीतियों का ही यह प्रभाव था कि 2000 में एड्स प्रभावित लोगों की जो संख्या 2.74 लाख थी, वह 2011 में घटकर 1.16 लाख हो गई। 2001 में एड्स प्रभावित लोगों में 0.41% युवा थे जो प्रतिशत 2011 में घटकर 0.27 का हो गया। 2000 में एड्स प्रभावित लोगों की संख्या लगभग 24.1 लाख थी जो 2011 में घटकर 20.9 लाख रह गई। एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) के प्रयोग में आने के बाद एड्स से मरने वालों की संख्या में कमी आई। 2007 से 2011 के बीच एड्स से मरने वाले लोगों की संख्या में वार्षिक आधार पर 29% की कमी आई। ऐसा अनुमान है कि 2011 तक लगभग 1.5 लाख लोगों को एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) की मदद से बचाया जा चुका है।

भारत ने एचआईवी संबंधी आँकड़े देने वाले इन व्यापक स्रोतों का इस्तेमाल एड्स संबंधी कार्यक्रमों के निर्धारण में किया है ताकि एचआईवी की रोकथाम एवं इसके उपचार के उपायों से होने वाले प्रभावों की जानकारी प्राप्त की जा सके।

एचआईवी/एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (यूएनएड्स) के अनुमान यह दिखाते हैं कि पूरा विश्व एचआईवी संक्रमण को फैलने से रोकने का प्रयास कर रहा है ताकि इस महामारी को जड़ से मिटाया जा सके। विगत दस वर्षों में इस दिशा में सराहनीय प्रयास किये गए हैं, फिर भी आज हमारे सामने यह एक विकट समस्या है।

प्राचार्य
मदरलेण्ड पब्लिक कॉलेज
टोंक